Q.22 IX. उद्देश्य एवं नीति में अन्तर

(Difference between Objective and Policy)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	उद्देश्य (Objective)	नीति (Policy)
1.	अर्थ (Meaning)	उद्देश्य वे अन्तिम बिन्दु हैं जिन्हें प्राप्त किया जाना आवश्यक है।	नीति उद्देश्य प्राप्त करने का साधन है।
2.	निर्धारण स्तर (Level of Determination)	उद्देश्यों का निर्धारण प्रबन्ध के उच्चतम स्तर द्वारा किया जाता है।	नीतियों का निर्धारण प्रबन्ध के सभी स्तरों द्वारा किया जाता है।
3.	साधन एवं साध्य (Means and End)	उद्देश्य साध्य होते हैं।	नीतियाँ साधन होती हैं।

4.	महत्व (Importance)	उद्देश्य संगठन के अस्तित्व के लिए आधार का कार्य करते हैं। अतएव ये अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।	नीतियाँ अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण होती हैं।
5.	क्षेत्र (Scope)	इनका क्षेत्र व्यापक होता है।	नीतियों का क्षेत्र अपेक्षाकृत संकुचित होता है। ये केवल पथ प्रदर्शन का कार्य करती हैं।

Q.23

X. नीति एवं कार्यविधि में अन्तर
(Difference between Policy and Procedure)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	नीति (Policy)	कार्यविधि (Procedure)
1.	अर्थ (Meaning)	नीति से आशय उन दिशा-निर्देशों से है जो पूर्व-निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देते हैं।	कार्यविधि से आशय उस प्रणाली से है जिसके द्वारा निश्चित कार्य को एक निश्चित क्रम में किया जाता है।
2.	निर्धारण स्तर (Level of Determination)	नीति का निर्धारण प्रबन्ध के सभी स्तरों द्वारा किया जाता है।	कार्यविधि का निर्धारण प्रबन्ध के निम्न स्तरों पर किया जाता है।
3.	योगदान (Contribution)	नीति उद्देश्यों की प्राप्ति एवं निर्णयन में योग-दान करती है।	कार्यविधि कार्यों के निष्पादन में योगदान करती है।
4.	लोचदार (Flexible)	नीति लोचदार होती है जिसमें आवश्यकता-नुसार परिवर्तन किया जा सकता है।	कार्यविधि सामान्यत: कठोर प्रकृति की होती है जिसमें परिवर्तन करना कठिन होता है।
5.	मार्गदर्शक (Guide)	नीति विचारों एवं निर्णयन की मार्गदर्शक होती है।	कार्यविधि कार्यवाही करने का मार्गदर्शक होती है।
6.	कथन की प्रकृति (Nature of Statement)	नीति को सामान्य कथन माना जाता है।	कार्यविधि को विशिष्ट कथन माना जाता है।

Q.24

XI. नीति एवं नियम में अन्तर
(Difference between Policy and Rule)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	नीति (Policy)	नियम (Rule)
1.	अर्थ (Meaning)	नीति से आशय उन दिशा-निर्देशों से है जो संस्था के पूर्व-निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति में योगदान करते हैं।	नियम विशेष विवरण होते हैं जिनके अनुसार कार्य सम्पन्न किये जाते हैं।
2.	कथन की प्रकृति (Nature of Statement)	नीति सामान्य कथन होती है।	नियम विधि विशेष कथन होते हैं।
3.	निर्णयन की स्वतन्त्रता (Freedom of Decision-making)	नीति में कुछ सीमाओं के अन्तर्गत निर्णयन की स्वतन्त्रता होती है।	नियम में निर्णयन की स्वतन्त्रता का अभाव होता है।
4.	लोच (Flexiblility)	नीति लोच होती है।	नियम में लोच का अभाव होता है। ये दृढ़ होते हैं।
5.	विवेकशील (Rational)	नीति विवेकशील होती है जिसके निष्पादन में विवेक के उपयोग का अवसर मिलता है।	नियम के निष्पादन से जुड़े लोगों को विवेक के उपयोग करने का अवसर नहीं मिलता है।

Q.25

XII. कार्यविधियों तथा विधियों (पद्धतियों) में अन्तर
(Difference between Procedures and Methods)

सामान्यत: हमारे छात्रों के मस्तिष्क में यह भ्रम है कि कार्यविधियों तथा नीतियों में कोई अन्तर नहीं है, अपितु दोनों समान हैं एवं पर्यायवाची हैं किन्तु वास्तविकता यह है कि इन दोनों में पर्याप्त अन्तर है जो अग्र तालिका से स्पष्ट है–

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	कार्यविधियाँ (Procedures)	विधियाँ (पद्धतियाँ) (Methods)
1.	अर्थ (Meaning)	कार्यविधियों से आशय उन प्रणालियों से है जिनके द्वारा किसी निश्चित कार्य को एक निश्चित क्रम में किया जाता है।	विधि से आशय ऐसे तरीके से है जिसके अनुसार कार्य किया जाता है।
2.	कार्य-क्षेत्र (Scope)	कार्यविधियों का कार्य-क्षेत्र व्यापक होता है।	विधियों का कार्य-क्षेत्र सीमित अर्थात् संकुचित होता है।
3.	सम्बन्ध (Relationship)	कार्यविधियों का सम्बन्ध सभी विभागों से होता है।	विधियों का सम्बन्ध किसी विशिष्ट विभाग से होता है।
4.	स्थायित्व (Stability)	कार्यविधियाँ निश्चित एवं स्थायी प्रकृति की होती हैं।	विधियाँ आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित की जा सकती हैं।
5.	व्याख्या (Explanation)	कार्यविधियों में क्रियाओं के निष्पादन की विस्तृत व्याख्या नहीं की जाती है।	विधियों में क्रियाओं के निष्पादन की विस्तृत व्याख्या की जाती है।

Q.26

XIII. नियम एवं विधि में अन्तर
(Difference between Rule and Method)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	नियम (Rule)	विधि (Method)
1.	अर्थ (Meaning)	नियम से आशय ऐसी योजना से है जिसके अनुसार परिस्थिति विशेष में कार्य किया जाता है।	विधि से आशय ऐसे तरीके से है जिसके अनुसार कार्य किया जाता है।
2.	उद्देश्य (Objective)	नियम संस्था की गतिविधियों को निश्चित दिशा प्रदान करने तथा संस्था में अनुशासन बनाये रखने के उद्देश्य से निर्धारित किये जाते हैं।	विधि संस्था के कार्यों को ठीक से करने तथा कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए निश्चित की जाती है।
3.	प्रमापीकरण (Standardisation)	नियमों के लिए प्रमापीकरण की आवश्यकता नहीं होती।	विधि के द्वारा प्रमापित कार्य दशाएँ निर्धारित की जाती हैं जिनके अन्तर्गत कार्य निष्पादित किये जाने चाहिए।
4.	पालन की अनिवार्यता (Compulsory Compliance)	नियमों का पालन सभी को अनिवार्य रूप से करना पड़ता है। यदि कोई व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता है तो उसके लिए दण्ड की व्यवस्था की जाती है।	विधियों का पालन इस रूप में अनिवार्य नहीं होता और यदि कोई व्यक्ति इनका पालन नहीं करता है तो उसके लिए दण्ड की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं होती।
5.	लचीलापन (Flexibility)	नियम निश्चित एवं कठोर होते हैं।	विधियाँ आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित की जा सकती हैं।
6.	सम्बन्ध (Relationship)	नियमों का सम्बन्ध मुख्यत: व्यक्तियों एवं उनके समूह से होता है।	विधियों का सम्बन्ध मुख्यत: संसाधनों एवं कार्यप्रणाली से होता है।

Q. 27

XIV. उद्देश्य एवं नीति में अन्तर
(Difference between Objectives and Policy)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	उद्देश्य (Objectives)	नीति (Policy)
1.	अर्थ (Meaning)	उद्देश्य वे अन्तिम बिन्दु हैं जिन्हें प्राप्त करने के लिए क्रियाएँ की जाती हैं।	नीतियाँ वे सामान्य विवरण होती हैं जो निर्णय में कर्मचारियों के मार्गदर्शन के लिए बनाई जाती हैं।

2.	आवश्यकता (Need)	बिना उद्देश्य के किसी भी संस्था की स्थापना नहीं हो सकती। अतः ये अति आवश्यक हैं।	इनका निर्धारण करना इतना आवश्यक नहीं है। ये बनाई भी जा सकती हैं और नहीं भी।
3.	प्रकृति (Nature)	उद्देश्य निर्धारित करते हैं कि क्या करना है?	नीतियाँ निर्धारित करती हैं कि काम को कैसे करना है?
4.	निर्धारण का स्तर (Level of Determination)	ये प्रायः संस्था के उच्च प्रबन्धकों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।	नीतियाँ सभी प्रबन्धकीय स्तरों पर निर्धारित की की जाती हैं।
5.	क्षेत्र (Scope)	उद्देश्य का क्षेत्र व्यापक होता है।	नीतियों का क्षेत्र संकुचित होता है।
6.	साधन (Means)	उद्देश्य साध्य होते हैं।	नीतियाँ साधन होती हैं।

Q.28

XV. उद्देश्य एवं रणनीति में अन्तर
(Difference between Objectives and Strategy)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	उद्देश्य (Objectives)	रणनीति (Strategy)
1.	अर्थ (Meaning)	उद्देश्य वे अन्तिम बिन्दु होते हैं जिन्हें प्राप्त करने के लिए संगठन की समस्त क्रियाएँ अग्रसर होती हैं।	रणनीति उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए बनाई गई एक विस्तृत योजना होती है।
2.	मुख्य तत्व (Main Element)	उद्देश्य के लिए जरूरी है कि वे मापने योग्य हों एवं उन्हें निर्धारित समय में प्राप्त किया जा सके।	रणनीति बनाते समय व्यावसायिक वातावरण को ध्यान में रखा जाना जरूरी होता है।
3.	क्रमबद्धता (Order)	उद्देश्य में मानवीय एवं भौतिक साधनों को क्रमबद्ध किया जाता है।	रणनीति में मानवीय एवं भौतिक साधनों का बँटवारा किया जाता है।
4.	प्रकृति (Nature)	उद्देश्य स्थायी प्रकृति के होते हैं।	रणनीति अस्थायी प्रकृति की होती है।
5.	अवधि (Tenure)	उद्देश्य अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन दोनों हो सकते हैं।	रणनीति अल्पकालीन होती है अथवा बनाई जाती है।

Q.29

XVI. पद्धति एवं बजट में अन्तर
(Difference between Method and Budget)

क्र. सं. (S.N.)	अन्तर का आधार (Basis of Difference)	पद्धति (Method)	बजट (Budget)
1.	अर्थ (Meaning)	पद्धति वह योजना है जो यह निश्चित करती है कि कार्यविधि में बताई गई विभिन्न क्रियाओं में से प्रत्येक को किस प्रकार पूरा किया जायेगा।	बजट भी एक योजना है जिसमें अनुमानित परिणामों का विवरण अंकों में रहता है वास्तव में बजट इच्छित परिणामों के गणनात्मक विवरण होते हैं।
2.	चयन (Selection)	किसी क्रिया को पूरा करने की अनेक पद्धतियाँ हो सकती हैं। गहन अध्ययन (Intensive Study) के उपरान्त सर्वश्रेष्ठ पद्धति का चयन किया जाता है।	बजट नियोजन व नियन्त्रण का एक यन्त्र (Tool) है अतः उसके चयन का प्रश्न ही पैदा नहीं होता।
3.	क्षेत्र (Scope)	पद्धति का क्षेत्र संकुचित होता है।	बजट का क्षेत्र व्यापक होता है।
4.	सम्बन्ध (Relation)	पद्धति का सम्बन्ध किसी विशेष विभाग से होता है।	बजट का सम्बन्ध प्रायः कई विभागों से होता है।
5.	व्याख्या (Explanation)	पद्धतियों के अन्तर्गत कार्यों के निष्पादन की व्याख्या होती है।	बजट के अन्तर्गत अनुमानित आँकड़ों के द्वारा व्याख्या की जाती है।